KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–5

द्वितीयक क्रियाएँ

भाग - 2

पंकज वैष्णव

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1-6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7-12

अध्याय 3
मानव विकास 13-20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21-34

अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35-43

अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44-52

अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53-69

अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70-77

परिशिष्ट 78-80
शब्दावली 81-84

© NCERT not to be republished

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

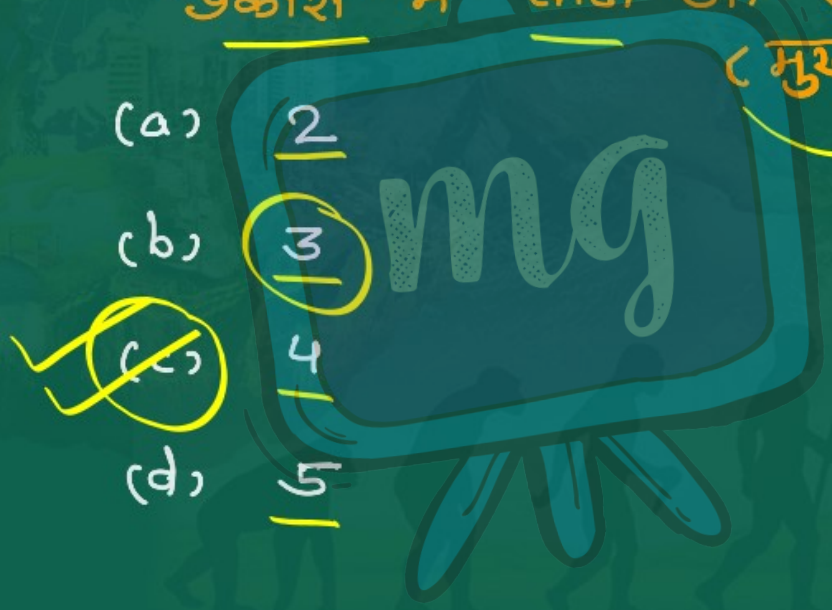
Q:- आर्थिक क्रियाओं को कितने प्रकारों में बांटा जा सकता है? (मुख्यतः)

(a) 2

(b) 3

(c) 4

(d) 5



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- द्वितीयक क्रियाओं में मुख्य रूप से कौन-कौन से कार्य आते हैं?

(a) विनिर्माण

(b) प्रसंस्करण

(c) निर्माण

(d) उपरोक्त सभी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से कौन-सी क्रिया द्वितीयक क्रियाओं में आती है?

(a) कृषि

(b) पशुपालन

(c) खनन

(d) सुरंग का निर्माण

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- उधोगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक है :-

(a) कच्चे माल तक पहुंच ✓

(b) बाजार तक पहुंच ✓

(c) श्रम आपूर्ति ✓

(d) उपयुक्त सभी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- द्वितीयक - क्रियाओं की विशेषताएं निम्न में से क्या - क्या है ?

(a) अधिक पूंजी

(b) यंत्रीकरण

(c) प्रौद्योगिकी नवाचार

(d) उपर्युक्त सभी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- निम्न में से कौनसा कार्य द्वितीयक - क्रियाओं में नहीं आता ?

(a) भवन - निर्माण ✓

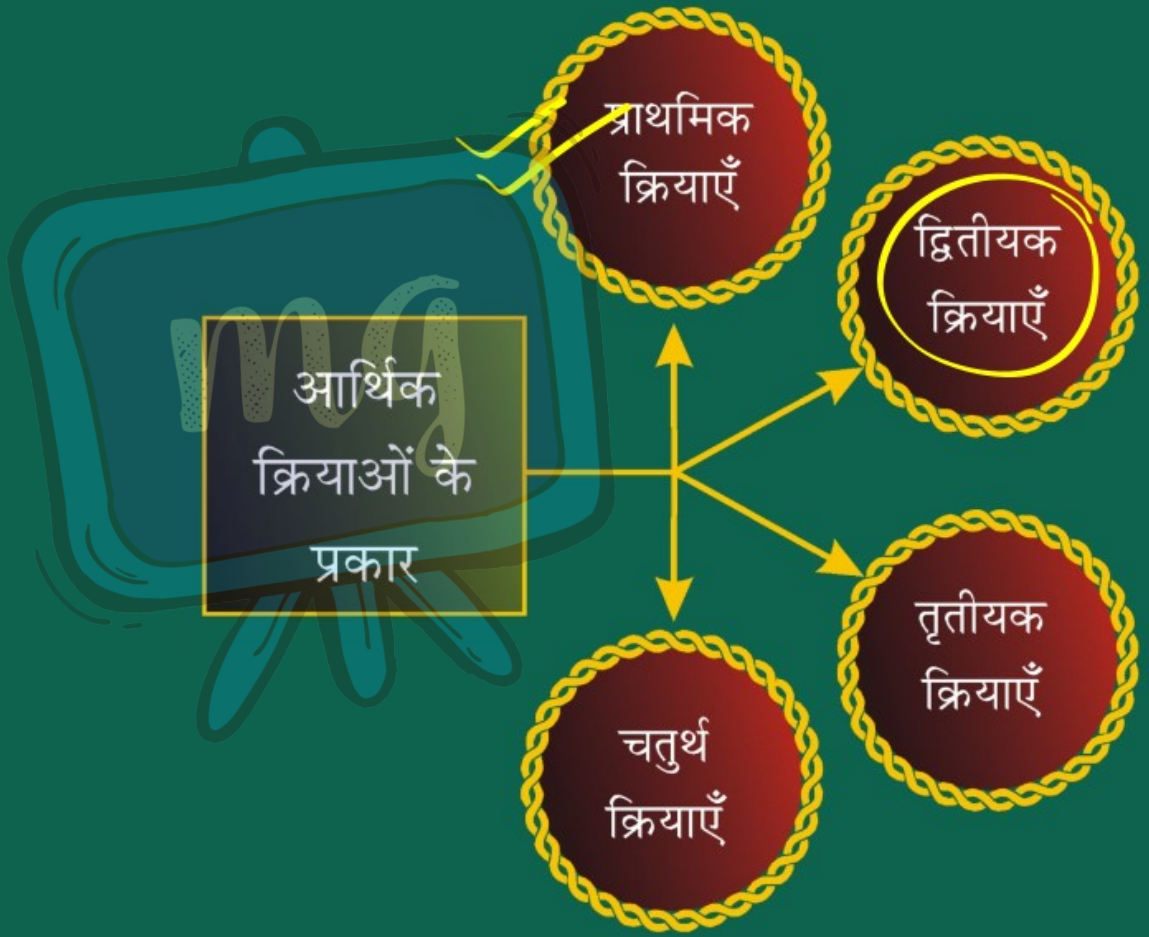
(b) कार का निर्माण ✓

(c) बांस की टोकरी बनाना ✓

(d) खनन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Sectors of Indian Economy

Primary Sector

- Agriculture





- Dairy
- Fishing

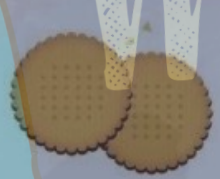




- Forestry

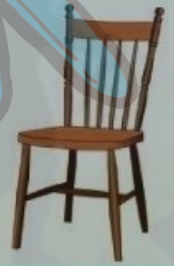
Secondary Sector

- Manufacturing Industries









Tertiary Sector

- Service Sectors





KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है–

आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण

- कुटीर / घरेलू उद्योग
- छोटे पैमाने के उद्योग
- बड़े पैमाने के उद्योग

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुटीर उद्योग

यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।
- दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औज़ार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इसके अतिरिक्त पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है। सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण



बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानीय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

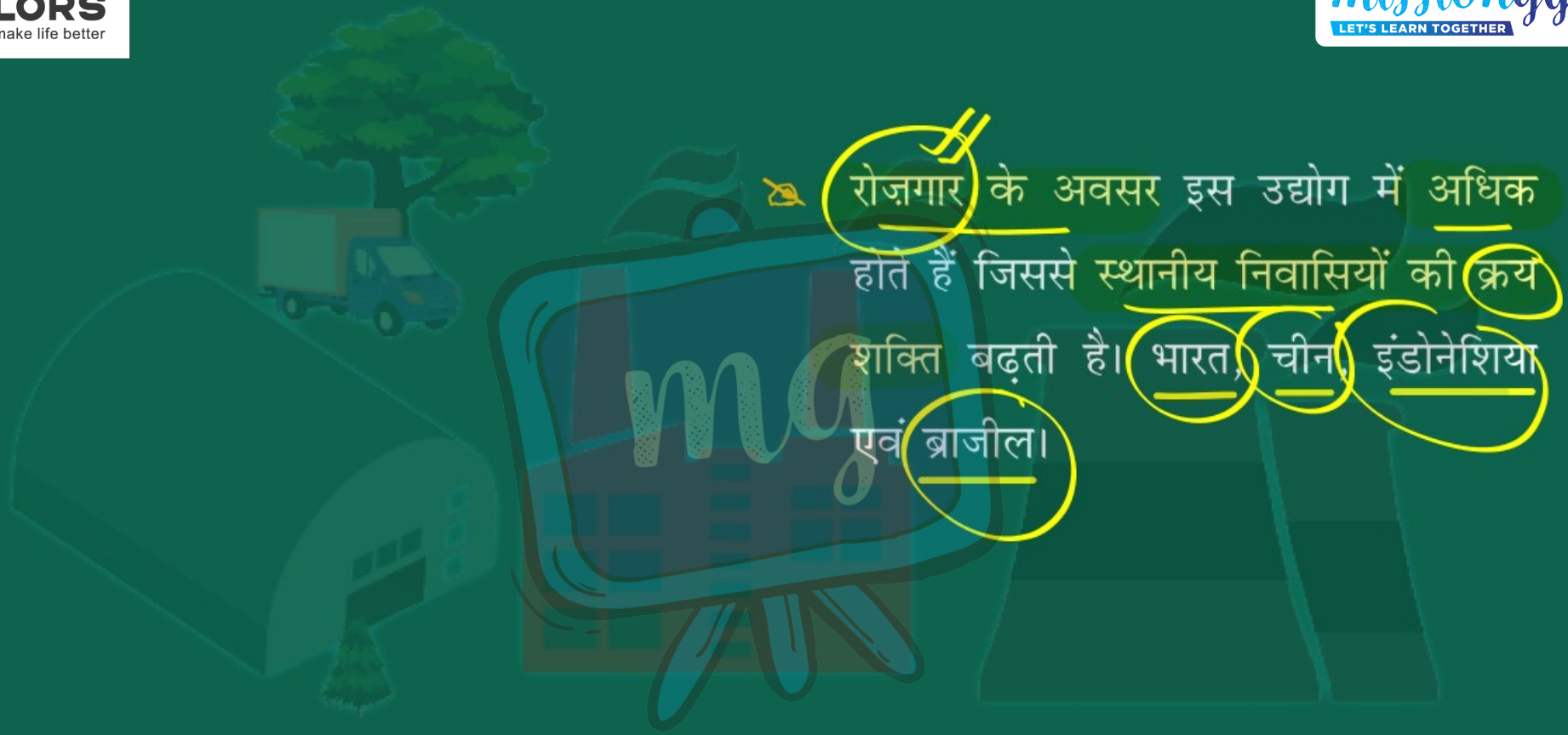
छोटे पैमाने के उद्योग

- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं।
- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- रोज़गार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बड़े पैमाने के उद्योग

बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को निर्माण के आधार पर दो बड़े समूहों में बाँटा जा सकता है–

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. आकार
2. कच्चे



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



क. **कृषि आधारित**

- खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाज़ारों में भेजा जाता है।
- प्रमुख कृषि आधारित उद्योग में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ (चाय, कॉफी, कोकोआ), मसाले, तेल एवं वस्त्र (सूती, रेशमी, जूट) तथा रबड़ उद्योग आते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भोजन प्रसंस्करण

कृषि से तैयार खाद्य में मलाई (क्रीम) का उत्पादन, डिब्बा खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना एवं मिठाइयाँ सम्मिलित की जाती हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ख. खनिज आधारित उद्योग

- इन उद्योगों में खनिजों को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।
- कुछ उद्योग लौह अंश वाले धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे कि लौह इस्पात उद्योग जबकि कुछ उद्योग अलौह धात्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। सीमेंट, मिट्टी के बर्तन आदि उद्योगों में अधात्विक खनिजों का प्रयोग होता है।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग. रसायन आधारित उद्योग

- इस प्रकार के उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है जैसे पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल (पैट्रोलियम) का उपयोग होता है।



- नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लेते हैं।रसायन उद्योग के अन्य उदाहरण कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण इत्यादि है।

घ. **वनों पर आधारित उद्योग**

वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागज़ उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ङ

पशु आधारित उद्योग



चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है।

KOLORS
make life better

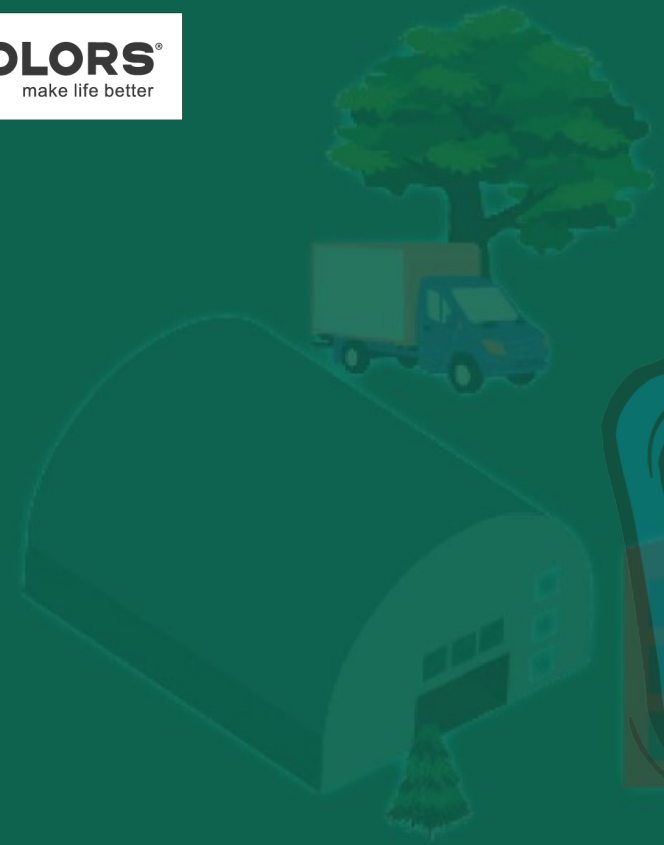
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्र उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथीदाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उत्पादन/उत्पाद आधारित उद्योग



आपने कुछ मशीनें एवं औज़ार देखे होंगे जिनके निर्माण में लौह-इस्पात का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है। लौह-इस्पात स्वयं में एक उद्योग है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- उपभोक्ता वस्तु उद्योग :- ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है।
- उदाहरण के तौर पर रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज़, टेलीविजन एवं श्रृंगार सामान इत्यादि का उत्पादन करने वाले उद्योगों को उपभोक्ता माल बनाने वाले अथवा गैर आधारभूत उद्योग कहा जाता है।